Ans ①

परितन्त्र :→ जीव सदैव समुदाय मे रहते है तथा समुदाय मे प्रत्येक जीव एक दुसरे को प्रभावित करते है। साथ ही वातावरण भी अपना प्रभाव जीवो पर डालता है। इस प्रकार जीवो का वातावरण से अटूट सम्बन्ध होता है। समुदाय तथा वातावरण का यह संरचनात्मक तथा क्रियात्मक तंत्र परितन्त्र या परिस्थितिक तन्त्र कहलाता है।

पृथ्वी एक पारितन्त्र है।

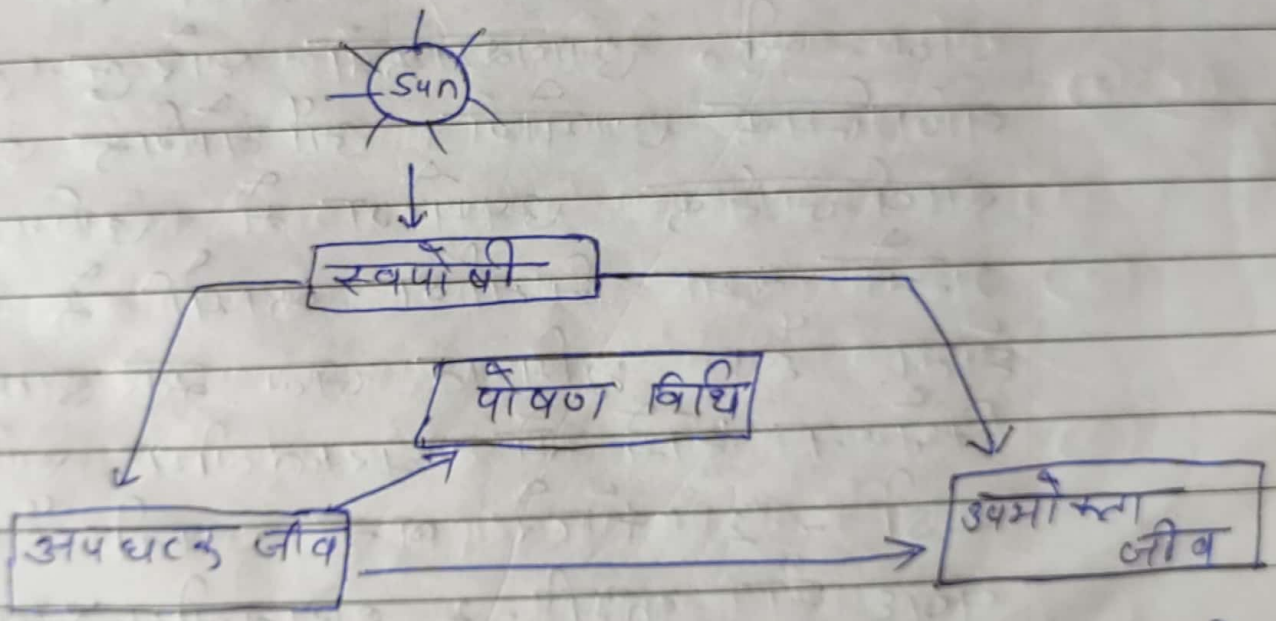

Ex - पृथ्वी एक पारितन्त्र है।

पारिस्थितिक घटक :→ परिस्थितिक तन्त्र के आधार पर घटको को दो भागो मे विभाजित किया गया है।

① जैविक घटक ② अजैविक घटक

① जैविक घटक – (i) उत्पादक - इसमे हरे पेड़-पौधे आते है।

(ii) उपभोक्ता - वे सभी जीव जो अपने भोजन के लिए पेड़ पौधे पर निर्भर है।

① प्राथमिक उपभोक्ता - इसमे शाकाहारी जीव होते है, जैसे - बकरी, खरगोश

② द्वितीयक उपभोक्ता - इसमे मांसाहारी प्राणी होते है, जैसे- छिपकली, चिड़िया

③ तृतीयक उपभोक्ता - इसमे मांसाहारी प्राणी होते है जो प्राणी को मार कर खाते है

प्रभाव :→ ① जनसंख्या घनत्व मे वृद्धि ② वनो का ह्रास

③ प्रदूषण ④ शिक्षा का प्रसार

⑤ सामाजिक सहनशीलता मे कमी।

Scanned with CamScanner